Seventeenth Loksabha

an>

Title:Regarding promotion of Sohri Art products made by the woman artisans of the Hazaribagh Parliamentary Constituency

श्री जयंत सिन्हा (हज़ारीबाग): सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे शून्य काल में एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया। महोदय, मैं सदन का ध्यान झारखंड और विशेष रूप से मेरे निर्वाचन क्षेत्र हज़ारीबाग के सांस्कृतिक गौरव सोहराई कला की ओर आकर्षित करवाना चाहता हूँ। सोहराई और खोवर चित्रकला आदिवासी महिलाओं द्वारा प्रचलित पारंपरिक कला के रूप है। वर्ष 2020 में ज्योग्राफिकल इंडिकेशन टैग मिलने के बाद अब इन स्थानीय कलाओं को वैश्विक मान्यता मिल रही है|

महोदय, आपके माध्यम से, मैं, इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में इन कलारूपों को प्रदर्शित करने हेतु केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त करता हूँ। साथ ही, मैं केन्द्र सरकार से यह अपील करना चाहता हूँ कि इन महिला कारीगरों को और अधिक प्रोत्साहन प्रदान किया जाए, ताकि उनके लिए एक स्थिर आजीविका का साधन उपलब्ध हो। इस संबंध में मैं अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड से अनुरोध करता हूँ कि वह महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों के बेहतर प्रचार-प्रसार के लिए कदम उठाए, ताकि उनकी मासिक आय सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही, दूसरे कलाकारों को अपने कौशल को और अधिक विकसित करने और उनका बेहतर मुद्रीकरण करने में सक्षम बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए। अन्ततः विदेशों में चित्रकला की मांग को देखते हुए इन विदेशी बाजारों को कलाकारों के लिए अधिक सुलभ बनाया जाए। ये कदम न केवल झारखंड की आदिवासी महिलाओं के लिए बेहतर आजीविका सुनिश्चित करने में, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने में भी काफी मददगार साबित होंगे।